Total Pages : 3

End Semester Examination of Semester–II, 2015
Subject : HINDI (HONS)
Paper : IV
Full Marks : 40
Time : 2 Hrs

The figures in the margin indicate the marks corresponding to the question

Candidates are requested to give their answers in their own word as far as practicable.

Illustrate the answers wherever necessary

खण्ड : क

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए : 10x2

1. मैथिलीशखा गुप्त की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. 'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग के आधार पर श्रद्धा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. 'कुरुक्षेत्र' के षष्ठ सर्ग की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. महादेवी वर्मा के काव्य में व्यक्त वेदना पर प्रकाश डालिए?

खण्ड : ख

निम्नलिखित में से किन्हीं दो अंशों की ससंदर्भ व्याख्या किजिए : 5x2

5. "हे भाइयो! सोये बहुत, अब तो उठो, जागो अहो! देखो जरा अपनी दशा,

आलस्य को त्यागो अहो! कुछ पार है, क्या क्या समय के उलट-फेर न होचुके! अव भी सजग होंगे न क्या? सर्वस्व तो हो खो चुके।।"

6. "विस्तृत नभ का कोई कोना,
मेरा न कभी अपना होना,
परिचय इतना इतिहास यही
उमड़ी कल थी मिट आज चली!"

7. नील परिधान वीच सुकुमार खुल रहा मृदुल अधरवुला अंग,
खिला हौ ज्यों बिजली का फुल मेघवन बीच गुलाबी रंग।

8. ऐसे क्षण अन्धकार घन में जैसे विधुत,
जागी पृथ्वी तनया कुमारिका छबि अच्युत,
देखते हुए निष्पलक याद आया उपबन,
विदेह का प्रथम स्नेह का लतान्तराल मिलन।

खण्ड : ग

निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दिजिए : 2x5=10

9. जयशंकर प्रसाद के दो काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

10. 'कुरुक्षेत्र' में कितने सर्ग हैं? यह रचना कब प्रकाशित हुई थी?

11. 'निराला की साहित्य-साधना' किसकी रचना है? इसके कुल कितने खंड हैं?

12. 'राम की शक्तिपूजा' में राम किसकी और क्यों पूजा करते हैं?

13. 'भारत भारती' में कुल कितने खंड हैं? अंतिम खंक का नाम क्या हैं?

14. 'पंथ होने दो अपरिचित' कविता में कवयित्री अपने पंथ को अपरिचित क्यों रखना चाहती हैं?

15. "तारकमय नव वेणी बंधन" - यह किनकी पंक्ति है? इसकी दूसरी पंक्ति लिखिए।

16. "कहा आगंतुक ने सस्नेह -
अरे, तुम इतने हुए अधीर" - इसमें आगंतुक कौन है? आगंतुक ने किसे संबोधित किया है?

17. कामायनी किसकी कृति है? इसमें कुल कितने सर्ग है?

18. महादेवी वर्मा के ज्ञानपीठ पुरस्कार किस कृति के लिए कब मिला था?